भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 74
दिनांक 02.02.2024 को उत्तर के लिए

पोषण भी, पढ़ाई भी

74. डॉ. प्रीतम गोपीनाथराव मुंडे:
श्री चन्द्र शेखर साहू:
श्री राहुल रमेश शेवाले:

क्या महिला एवं बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी किः

(क) क्या केंद्र सरकार ने विशेष रूप से ओडिशा में छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए शिक्षा और पोषण को प्राथमिकता देने के लिए पोषण भी, पढ़ाई भी (पीबीपीबी) पहल शुरू की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) मिशन की सफलता के लिए सरकार द्वारा अब तक उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) पर्यावरण के लिए मिशन लाइफस्टाइल में मंत्रालय का योगदान;

(घ) क्या सरकार का बाजरा के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसे मंत्रालय की योजनाओं के तहत शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) सार्वजनिक डोमेन में पोषण ट्रैकर से डेटा की अनुपलब्धता के क्या कारण हैं?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास मंत्री
(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) और (ख): पोषण भी पढाई भी (पीबीपीबी) में विशेष रूप से 13.1 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के कौशल को बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि वर्तमान में चल रहे पोषण सेवा प्रावधान के साथ-साथ बचपन की देखभाल और शिक्षा प्रदान करने की उनकी क्षमता का निर्माण किया जा सके। इसका उद्देश्य राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर (सीडीपीओ, डीपीओ और पर्यवेक्षक) बनाना भी है जो आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षित करेंगे। पोषण भी पढाई भी

के तहत समय-सीमा 2023-2026 के दौरान दो चरणों में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का प्रशिक्षण होगा, जिसमें देश के सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दो बार शामिल किया जाएगा।

पोषण भी पढाई भी 6 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों के समग्र विकास के लिए है, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) के तहत पहचाने गए प्रमुख विकास डोमेन अर्थात् भौतिक/मोटर, संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक-नैतिक, सांस्कृतिक/कलात्मक और राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षण के माध्यम से संचार और प्रारंभिक भाषा, साक्षरता और संख्यात्मकता के विकास में उनके कौशल निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। ये मास्टर प्रशिक्षक बचपन की देखभाल और शिक्षा प्रदान करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के बीच बेहतर ज्ञान स्तर, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों, पर्यवेक्षकों और सीडीपीओ के बीच बेहतर क्षमता और 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों की शिक्षा और पोषण पर फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं का प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। दिनांक 29.01.2024 तक, ओडिशा के 69 सहित कुल 4525 राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षकों (एसएलएमटी) को राष्ट्रीय सार्वजनिक सहयोग और बाल विकास संस्थान द्वारा प्रशिक्षित किया गया है।

(ग): महिला एवं बाल विकास मंत्रालय क्रमशः पानी की बचत, एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग कम करना, स्थायी खाद्य प्रणालियों को अपनाना और अपनाई गई स्वस्थ जीवन शैली जैसे विषयों के तहत शामिल प्रासंगिक जीवन कार्यों का प्रचार करने के लिए विभिन्न प्रकार की आउटरीच गतिविधियों का संचालन कर रहा है। 'जल संरक्षण' के तहत, 13.97 लाख कार्यशील आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने जल संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने में इन केंद्रों की क्षमता को पहचाना और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को परिसर के भीतर संबंधित जलवायु परिस्थितियों के लिए उपयुक्त वर्षा जल संचयन प्रणाली (आरडब्ल्यूएचएस) पर काम करने का परामर्श दिया। मंत्रालय ने 2022-23 में 41,192 आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी है। इनमें से 38,188 आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए आरडब्ल्यूएचएस स्वीकृत किए गए हैं। पिछले कुछ जन आंदोलनों में, मंत्रालय ने वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण से संबंधित 2 करोड़ से अधिक गतिविधियाँ आयोजित की हैं, जिनमें संवेदीकरण और प्रचार, मौजूदा आरडब्ल्यूएचएस में समारोह, वेबिनार, आंगनवाड़ी केंद्रों में सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करना और शौचालयों में पानी उपलब्ध कराना शामिल है। पिछले कुछ जन आंदोलनों के दौरान 'सिंगल यूज प्लास्टिक रिड्यूस्ड' के तहत सामुदायिक जल निकायों जैसे झील/तालाब/कुएं/पानी की टंकी आदि में सफाई/गाद निकालने से संबंधित 60 लाख से अधिक गतिविधियां/अभियान आयोजित किए गए। 'स्थायी खाद्य प्रणालियों' और 'स्वस्थ जीवन शैली' अपनाने को बढ़ावा देने के लिए की गई पहलें इस प्रकार हैं:

(घ): मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत, आहार विविधता, खाद्य सुदृढ़ीकरण, ज्ञान की पारंपरिक प्रणालियों का लाभ उठाने और आहार विविधता के लिए बाजरा के उपयोग को लोकप्रिय बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वर्ष 2022 और वर्ष 2023 में राज्यों/संघ

राज्य क्षेत्रों द्वारा बाजरा-संवर्धन पर लगभग 5.5 करोड़ संवेदीकरण गतिविधियाँ रिपोर्ट की गई हैं, जिनमें से 4 करोड़ से अधिक पोषण माह सितंबर 2023 में ही रिपोर्ट की गई हैं। इसके अतिरिक्त, 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर पका हुआ गर्म भोजन और टेक होम राशन (टीएचआर) तैयार करने के लिए बाजरा के उपयोग पर अधिक जोर दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 में टीएचआर और एचसीएम में स्वादिष्ट रूप में बाजरा के उपयुक्त एकीकरण के अलावा पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) घटक के तहत सप्ताह में कम से कम एक बार बाजरा की आपूर्ति को अनिवार्य किया गया है।

(ड.): पोषण ट्रैकर का आंकड़ा सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है और इसे https://www. poshant racker .in/statistics के माध्यम से देखा जा सकता है।

******